लीडा में अवैध भूमि कब्जे के विरुद्ध होगी कड़ी कार्यवाही

लीडा के मास्टर–प्लान पर तेजी से होगा कार्य

लखनऊ, 31 जुलाई 2013:

लखनऊ औद्योगिक विकास प्राधिकरण (लीडा) के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) तथा प्रमुख सचिव, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास – डॉ. सूर्य प्रताप सिंह ने लीडा की अधिसूचित भूमि पर अवैध कब्जे एवं निर्माण करने वालों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की चेतावनी दी है।

अध्यक्ष लीडा ने कहा– *"जिन लोगों ने लीडा के अधिसूचित क्षेत्र में अवैध कब्जे या निर्माण कर रखा है उनको भूमि को तुरन्त खाली कर देना चाहिए अन्यथा उनके विरुद्ध बेदखली एवं कड़ी कानूनी कार्यवाही की जाएगी।"*

डॉ. सूर्य प्रताप सिंह आज यहाँ लीडा के मुख्य परामर्शी मे. टेकमेक द्वारा लीडा के मास्टर प्लान तैयार करने के संबंध में बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। लीडा के मुख्य परामर्शी मे. टेकमेक ने इस अवसर पर 'ड्राफ्ट मास्टर प्लान ऑफ लीडा–2031' पर एक प्रस्तुतिकरण किया।

अध्यक्ष लीडा ने परामर्शी से लीडा के मास्टर प्लान की रिपोर्ट का ड्राफ्ट 10 दिनों में तैयार करने के लिए कड़े निर्देश दिए। यदि 10 दिनों में यह कार्य पूरा नहीं होता है तो परामर्शी का कान्ट्रैक्ट निरस्त कर नया परामर्शी चुना जाएगा। उन्होंने कहा कि मास्टर प्लान की ड्राफ्ट रिपोर्ट में सभी आवश्यक स्वीकृतियों तथा अनापत्तियों को भी सम्मिलित किया जाना चाहिए। डॉ सूर्य प्रताप सिंह ने कहा कि विकास के लिए भूमि अधिग्रहण से पहले मास्टर प्लान बनना चाहिए जिससे अवैध कब्जे आदि की समस्या न हो।

ज्ञात हो कि वर्तमान परामर्शी, मे. टेकमेक को वर्ष 2010 में मास्टर प्लान बनाने हेतु 6 माह के लिए आबद्ध किया गया था, किन्तु अभी तक उसने यह कार्य पूरा नहीं किया है। अब परामर्शी को 10 अगस्त 2013 तक मास्टर प्लान ड्राफ्ट तैयार कर प्रस्तुत करना होगा।

लीडा द्वारा 33,648 हेक्टेयर क्षेत्र को लखनऊ में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए अधिसूचित किया गया है।

सूचित किया गया कि मास्टर प्लान में पहले केवल प्रदूषण रहित औद्योगिक इकाइयों को सम्मिलित किया जा रहा था, किन्तु अब अंतिम मास्टर प्लान में सभी प्रकार की इकाइयों को रखा जाएगा।

विदित हो कि लगभग रु. 285 करोड़ की अनुमानित लागत से लीडा के करीब 1,30,000 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में लखनऊ सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) पार्क की स्थापना प्रस्तावित है। इसके लिए लीडा को नोडल ऐजन्सी बनाया गया है।

इस बैठक में लीडा के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालक अधिकारी–रामदीन तथा परियोजना प्रबन्धक–एसत्रपी. सिंह ने भी भाग लिया।